

## व्यापार युद्ध का खतरा

### संदर्भ-

इन दिनों पूरी दुनिया में अमेरिका के नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च (एनबीईसी) की रिपोर्ट 'व्यापार युद्ध और अमेरिकी अर्थव्यवस्था' को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। अमेरिका के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के समूह द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापार युद्ध अमेरिका के हित में नहीं है।

वर्ष 2018 में व्यापार युद्ध से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को करीब 54 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में आई है जब एक ओर अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध खत्म होने की संभावना बन रही है, और दूसरी ओर अमेरिका व्यापार युद्ध का रुख भारत की ओर मोड़ते हुए भारत का तरजीही प्राप्त दर्जा खत्म करने जा रहा है।

कारोबारी तनाव को कम करने के लिए भारत को अमेरिका के साथ वाणिज्यिक वार्ता को आगे बढ़ाना होगा और चीन की तरह ही लचीला और कूटनीतिक रुख अपनाना होगा। व्यापार युद्ध न अमेरिका के लिए लाभप्रद है, न ही भारत के लिए।

भारत को अमेरिका के समक्ष बेहतर व्यापार प्रस्ताव पेश करने चाहिए और अमेरिका को भी चाहिए कि वह भारत का तरजीही प्राप्त देश का दर्जा बनाए रखे।

### अमेरिका का रुख-

अमेरिका के राष्ट्रपति ने अमेरिका की संसद को एक पत्र के जरिए भारत को दी गई प्राथमिकताओं की सामान्यीकरण प्रणाली (जीएसपी) को समाप्त करने के अपने इरादे से अवगत कराया। ऐसे में यदि अमेरिका जीएसपी के फैसले पर कायम रहता है तो दो महीने बाद भारत का तरजीही व्यापार दर्जा खत्म हो जाएगा।

अमेरिकी मोटरसाइकिल हार्ले-डेविडसन का उदाहरण देते हुए कहा गया है जब हम भारत को मोटरसाइकिल भेजते हैं तो उस पर सौ प्रतिशत का शुल्क लगा रहा था, जिसे घटा कर पचास फीसद किया गया, लेकिन जब भारत हमें मोटरसाइकिल का निर्यात करता है तो अमेरिका कुछ भी शुल्क नहीं लगाता है।

भारत सरकार विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को यूजर डेटा भारत में ही रखने के लिए नियम बनाने में जुटी है, इसलिए भी अमेरिकी ने कंपनियों के हित में शुल्क बढ़ाने का मन बनाया है।

भारत को व्यापार में तरजीही वाले देशों की सूची से निकालने का एक कारण यह भी है कि भारत ने अमेरिकी पशुओं के दूध से बने डेयरी उत्पाद लेने से मना कर दिया है, क्योंकि अमेरिका में दुधारू पशुओं को चारे में मांसाहार खिलाया जाता है। ऐसे में भारत के इस फैसले के पीछे सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाएं हैं। लेकिन भारत का कहना है कि डेयरी उत्पादों के लिए प्रमाणन प्रक्रिया का पालन हो तो भारत को आयात में कोई आपत्ति नहीं होगी।

### भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों पर प्रभाव-

अमेरिका का यह कदम भारत-अमेरिकी कारोबार के लिए बड़ी चुनौती है। इससे भारत से निर्यात किए जाने वाले कपड़े, रेडीमेड कपड़े, रेशमी कपड़े, प्रसंस्करित खाद्य पदार्थ, जूते, प्लास्टिक का सामान, इंजीनियरिंग उत्पाद, हाथ के औजार, साइकिलों के पुर्जे बनाने वाली औद्योगिकी की मुश्किलें बढ़ने से इनमें कार्यरत हजारों लोगों के समक्ष नौकरियां जाने का खतरा खड़ा हो जाएगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा वैश्विक कारोबारी सहयोगी है।

भारत से अमेरिका को निर्यात 2017-18 में बढ़ कर 47.87 अरब डॉलर हो गया था, जो वर्ष 2016-17 के 42.21 अरब डॉलर रहा था। इसकी वजह से व्यापार घाटे को लेकर अमेरिका की चिंता बढ़ी है।

अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत दुनिया की सबसे तेज आर्थिक विकास दर वाला देश है, साथ ही बढ़ता हुआ बाजार भी। ऐसे में यदि अमेरिका साठ दिन के बाद जीएसपी व्यवस्था से भारतीय वस्तुओं को बाहर कर देता है तो इससे भारत के छोटे निर्यातकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जीएसपी के तहत भारत से अमेरिका को कुल निर्यात करीब ग्यारह फीसद है।

चीन के साथ व्यापार युद्ध खत्म होने के पीछे अमेरिका की कोई बड़ी उदारता नहीं है, वरन उसकी मजबूरी भी है। अमेरिका द्वारा चीन से आयातित वस्तुओं पर ढाई सौ अरब डॉलर का शुल्क लगाए जाने से अमेरिका के उपभोक्ताओं और अमेरिकी कंपनियों को चीन से आयातित वस्तुओं पर बढ़ी हुई लागत चुकाना पड़ रही है। इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं और अमेरिकी कंपनियों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध खत्म होने के करीब है, लेकिन इस बीच अमेरिका और चीन में भारत के निर्यात बढ़ने के जो नए मौके बनने लगे थे, वे रुक जाएंगे, साथ ही अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले नए आयात शुल्कों से भारतीय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

#### आगे की राह-

- भारत का अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत होते जा रहे, ऐसे में सामरिक के साथ व्यापारिक नीति को भारत अपने हितों के लिए मोड़ सकता है। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार एक नाजुक मोड़ पर है इसलिए इसका फायदा भारत अपने नीतियों के माध्यम से ले सकता है।

- भारत और अमेरिका के व्यापार और आर्थिक संबंध अपने आप में विशिष्ट है। इससे दोनों पक्षों को फायदा हो रहा है। दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र के तौर पर भारत-अमेरिका स्वाभाविक सहयोगी हैं। दोनों राष्ट्रों के मध्य स्वास्थ्य, ऊर्जा, रक्षा, बुनियादी सुविधाओं और कृषि जैसे सेक्टरों में नए अवसरों पर मिलकर काम करना होगा।

#### प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. 2019 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार 20% की वृद्धि दर्ज कर चुका है।
2. अमेरिका ने भारत से आयातित पचास उत्पादों पर शुल्क मुक्त की रियायत समाप्त कर दी है।
3. अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर है। जबकि अमेरिका का चीन के साथ व्यापार घाटा 500 अरब डॉलर है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (a)

#### मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न- अमेरिका द्वारा संरक्षणवादी नीतियों को अपनाया जाना वैश्वीकरण की उस मूल संकल्पना के विरुद्ध है जिसमें व्यापारिक गतिविधियों को विभिन्न प्रतिबंधात्मक नियमों से मुक्ति की बात उल्लेखित थी। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में चर्चा कीजिए की ऐसी नीतियों का भारत-अमेरिका आर्थिक रिश्तों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?